रक्षा कमानी केजरीवाल

करिअर विशेषज्ञ व सलाहकार
कानपुर
ने इस बार के जवाब दिये हैं

होनहार विद्यार्थी

हर क्षेत्र में अव्वल आदित्य

आदित्य मिश्रा
कक्षा-12, वाई.एम.सी.ए. सेनेटरी स्कूल एंड कॉलेज
इलाहाबाद

उपलब्धियाँ

- 10वीं कक्षा में सी.जी.पी.ए. ग्रेडिंग 10
- 10वीं कक्षा में टैगोर पब्लिक स्कूल में आयोजित न्यूज रीडिंग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान।
- 10वीं कक्षा में अंतर विद्यालयी हिंदी-अंग्रेजी वाद - विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान।
- 10वीं कक्षा में अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलन द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में दूसरा स्थान।
- 9वीं कक्षा में ऑल इंडिया वाई.एम.सी.ए. वाद-विवाद प्रतियोगिता में दूसरा स्थान।

पढ़े हुए को दोहराना आवश्यक

इस होनहार का ऐसा मानना है कि अगर विद्यालय की पढ़ाई को ही विद्यार्थी घर जाते ही दोहरा लें तो उसे परीक्षा में अव्वल आने के लिए किसी अन्य माध्यम की कोई आवश्यकता नहीं पड़ सकती। विज्ञान वर्ग के इस छात्र को सादगी से जीना पसंद है। हर एक घंटे के दौरान पढ़ाई में ब्रेक लेना इनकी आदत में है। बिस्कुट खाकर और 5-10 मिनट टी.वी. देखने वाले आदित्य दिन भर में कुल 8 घंटे की पढ़ाई करते हैं।

छात्रों को खेलना भी चाहिए

आदित्य का मानना है कि घंटों किताबों से उलझने से भी मन परेशान होने लगता है। पूर्ण रूप से स्वस्थ रहने के लिए खेलना भी जरूरी है। उन्हें बैडमिंटन और शतरंज पसंद है। आदित्य बताते हैं कि गानें सुनना, किताबें पढ़ना और खगोलीय घटनाओं की जानकारी एकत्र करना भी उन्हें खूब भाता है।

आई.ए.एस. बनना है मंज़िल

आदित्य कहते हैं कि अगर आप अपने किसी ईष्टदेव या भगवान पर विश्वास रखते हैं तो यह भी आपकी तरक्की के लिए लाभकारी साबित होता है। भविष्य में आदित्य इंजीनियरिंग के क्षेत्र में करिअर बनाने को उत्सुक हैं लेकिन वह साथ ही कहते हैं कि मेरा मुकाम आई.ए.एस. है। इंजीनियरिंग पूरी होने के बाद भी मैं पढ़ाई करते हुए अपने इस लक्ष्य को हर हाल में पाना चाहूँगा। **प्रस्तुतिः इलाहाबाद ब्यूरो**

दूतावास में नौकरी

मैं यह जानना चाहता हूँ कि दूसरे देशों में भारतीय दूतावासों में नौकरी कैसे प्राप्त की जाती है। इसके लिए क्या योग्यता होनी चाहिए?
अभिषेक शर्मा, इलाहाबाद

उत्तर

दूसरे देशों में दूतावासों में शीर्ष स्तर पर नौकरी पाने के लिए आपको भारतीय विदेश सेवा में अधिकारी बनने की ज़रूरत है। इसकी प्रवेश परीक्षा आई.ए.एस. और आई.पी.एस. के समान ही होती है। अन्य नियुक्तियाँ दूतावासों में आवश्यकता के आधार पर की जाती हैं। यह स्थानीय स्तर पर भी हो सकती हैं। सिविल सेवा परीक्षा के लिए न्यूनतम योग्यता संघ लोक सेवा आयोग ने तय की है। परीक्षा वर्ष के दौरान एक अगस्त को आपकी कम से कम 21 वर्ष की होनी चाहिए। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए सरकारी आरक्षण कोटे के तहत 30 वर्ष न्यूनतम उम्र है। किसी भी क्षेत्र से स्नातक छात्र आवेदन कर सकते हैं। भारतीय विदेश सेवा के तहत विदेशी मामले, कूटनीति, व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों को कुशल तरीके से संभालना आदि आता है। यह प्रशासन और विदेशों में भारत सरकार की गतिविधियों के लिए ज़िम्मेदार हैं। एक आई.एफ.एस. अधिकारी यानी भारतीय विदेश सेवा अधिकारी को 160 अलग-अलग भारतीय दूतावासों और विदेशी अभियानों पर तैनात किया जा सकता है। इनको संयुक्त राष्ट्र, यूनेस्को, विश्व बैंक तथा सार्क सम्मेलन इत्यादि के लिए तैनात किया जा सकता है। पासपोर्ट अधिकारी के तौर पर देश के विभिन्न भागों में तैनात किया जा सकता है।

शुगर टेक्नोलॉजी

शुगर टेक्नोलॉजी में पढ़ाई करने के लिए क्या न्यूनतम योग्यता होनी चाहिए और इसके प्रमुख संस्थान कौन-कौन से हैं?
अंकित यादव, मेरठ

उत्तर

गन्ना की खेती और गन्ने से चीनी उत्पादन में विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों में चीनी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा प्रदान किया जाता है। ताकि छात्रों को कम से कम व्यय में अधिक उत्पादन और नयी-नयी तकनीक के बारे में प्रशिक्षित किया जा सके। चीनी प्रौद्योगिकी में बहुत न्यूनतम पात्रता की आवश्यकता होती है। किसी भी बोर्ड से 12वीं की परीक्षा पास कर इसमें दाख़िला ले सकते हैं। प्रवेश परीक्षा के माध्यम से उम्मीदवार का चयन किसा जाता है। चीनी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा दो साल की अवधि का होता है। इसमें छात्रों को गुणवत्ता, कम से कम लागत, कम से कम प्राकृतिक संसाधनों तथा विपत्ति से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। कानपुर में इस विषय से जुड़ा हुआ सरकारी संस्थान है। वहाँ से कई प्रकार के कोर्स कराये जाते हैं।

डेयरी फ़ार्मिंग में जाना है

मैं डेयरी फार्मिंग करना चाहता हूँ। इसके लिए क्या वित्तीय मदद भी मिलती है? शैक्षिक योग्यता क्या होनी चाहिए?
अमित कुमार, हिसार

उत्तर

देश में बहुत से विश्वविद्यालय और संस्थान डेयरी विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डिग्री और डिप्लोमा देते हैं। डेयरी उद्योग में करिअर बानने के लिए अनुभव के साथ रसायन विज्ञान, गणित, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान और अंग्रेज़ी का ज्ञान होना आवश्यक है। 12वीं कक्षा में कम से कम 55 प्रतिशत अंकों होने चाहिए। चयन अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद बैचलर ऑफ वैटनरी साइंस एंड एनिमल हस्बैंड्री से बी.टेक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। वहीं इस क्षेत्र से दो वर्ष का डिप्लोमा भी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें आगे की पढ़ाई के लिए परास्नातक भी कर सकते हैं। देश के कुछ प्रमुख संस्थान हैं। इनमें राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली, सेठ एम सी डेयरी विज्ञान कॉलेज, गुजरात, डेयरी विज्ञान कॉलेज, राजस्थान, पशु चिकित्सा कॉलेज, कर्नाटक आदि हैं।

लकड़ी के आभूषण

लकड़ी के आभूषण बनाने के क्षेत्र में करिअर बनाने के लिए क्या करना चाहिए? योग्यता क्या होनी चाहिए और बेहतर संस्थान कौन से हैं? **संजय रावत, हलद्वानी**

उत्तर

लकड़ी के आभूषण बनाना कला और शिल्प से संबंधित है जो कि आभूषण डिज़ाइनिंग का एक हिस्सा है। इसके लिए भारत में अलग से कोई कोर्स संचालित नहीं होता है। जो भी संस्थान इसकी कक्षाएँ संचालित करते हैं वहाँ अपने स्तर से इसके लिए कक्षा संचालित की जाती है। इसके अलावा विदेशों में कुछ विश्वविद्यालय और संस्थान हैं जो लकड़ी के गहने डिज़ाइन करने के लिए पाठ्यक्रम और कक्षा संचालित करते हैं। पिछले कुछ समय में लकड़ी के आभूषणों के प्रति काफ़ी रूझान बढ़ा है। देश में कई स्थानों पर इसका कार्य पारंपरिक रूप से होता है। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर और नगीना में इसका कार्य बड़े स्तर पर होता है।

टैटू बनाने में करिअर

क्या टैटू बनाने के लिए किसी कॉलेज एवं संस्थान से कोर्स कराया जाता है। इस क्षेत्र में करिअर की क्या संभावना है?
मानव प्रधान, नयी दिल्ली

उत्तर

आपने बहुत से टैटू बनाने वालो को देखा होगा लेकिन आपके अंदर मूल, खूबसूरत और अनूठा डिजाइन बनाने की क्षमता होनी चाहिए। एक टैटू कलाकार बनने के लिए पोर्टफ़ोलियो की जरूरत होती है। पोर्टफ़ोलियो यह साबित करता है कि इस उद्योग में आप कितना सफल हैं। इस कारण से बहुत से टैटू डिजाइनर कला की डिग्री को महत्ता देते हैं। टैटू डिज़ाइनर के रूप में करिअर ऐसा नहीं है कि एक दम से इस क्षेत्र में जाने का सोच लिया जाय। ऐसा नहीं माना जाना चाहिए कि केवल एक विशेष प्रकार से जुड़ा हुआ युवा वर्ग ही इस कार्य का कर सकता है। टैटू डिजाइन का कार्य एक व्यवसाय की तरह है। कुछ मामलों में यह व्यवसाय अन्य से अलग है। इस व्यवसाय में आपको स्वयं कार्य आना चाहिए। इस कार्य के लिए आपके अंदर स्वयं प्रतिभा और समर्पण होना चाहिए। यह आपके लिए और अधिक सफल हो सकता है यदि कला और ग्राफिक्स डिज़ाइन की डिग्री है। इसके लिए दिल्ली सहित अन्य बड़े शहरों में भी निजी संस्थान हैं। यहाँ से आप इसका कोर्स कर सकते हैं। युवाओं में टैटू के बढ़ते चलन के कारण यह क्षेत्र करिअर का एक बेहतर विकल्प बनता जा रहा है। इसमें आप अपना व्यवसाय करके या फिर किसी बड़े स्टूडियो में नौकरी करके बेहतर करिअर बना सकते हैं।